	Details of extra financial assistance sought by the State Govt.	Amount actually allocated/ released	Reasons for not granting the assistance
(iv)	Request for financial assistance to be adjusted against arrears of oil royalty when released.	—	This request was not agreed to because an amount of Rs. 424.76 crores was due from the State Government in respect of repayment of loan and interest liabilities for 1991-92 and State Government was requested to utilise the arrear of oil royalty to be received by them for adjustment of their carried over liabilities of Rs. 424.76 crores for 1991-92 which now stands at Rs. 269 crores.
(v)	Request of Special Central Assistance of Rs. 200 crores made by the State Government.	—	It was not agreed to because at that time an Inter-Ministerial Group had already been set up to suggest a solution to the financial imbalances faced by Assam, Punjab and J & K. The Union Government had accepted the recommendations of the above Group. The above decision of the Centre was expected to result in a benefit to the extent of about Rs. 543 crores to the State Government during 1992-93.

In addition the Centre has also sanctioned an advance Plan Assistance of Rs. 103.88 crores to Assam during 1993-94 equal to the State's entire opening deficit for 1993-94 to ease their financial difficulties.

Nationalised and Commercial Banks in Assam

69. SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR : will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the present number of branches of Nationalised and other Commercial Banks in Assam;

(b) the number of branches opened during the last three years;

(c) whether Government propose to open more branches of the banks in Assam to promote trade and commerce in that State;

(d) if so, the details thereof; and

(e) by when these branches are likely to be opened?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) There were 1219 branches of Commercial Banks as on 30-6-93 (latest available) in Assam.

(b) The position regarding the number of branches opened during the last three years is indicated below:—

Year	No. of branches opened
July 1989-June 1990	57
July 1990-June 1991	17
July 1991-March 1992 (latest available)	7

(c) to (e) Reserve Bank of India (RBI) has not fixed any State-wise or Sector-wise target for opening bank branches. Under the Branch Licensing Policy, the banks which attain the revised capital adequacy norms and prudential accounting standards will be given freedom to set up new branches. Under the new Policy during 1990-95 plan, RBI has allotted 13 Urban localities (5 at Jorhat and 8 at Guwahati) for opening bank branches in Assam. In addition, RBI has also allotted one Industrial Finance Branch to State Bank of India at Guwahati. The opening of branches at the allotted centres is subject to availability of basic infractructure facilities like availability of suitable premises, all weather roads, telecommunication, etc.

शेयरों की कीमतों में वृद्धि

70. **श्रीमती सरला माहेश्वरी:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले एक महीने के दौरान शेयर बाजार में शेयरों की कीमतों में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है;

(ख) इसके मूल कारण क्या हैं;

(ग) क्या बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं के धन का शेयरों की खरीद-फरोख्त में पुनः इस्तेमाल किया जा रहा है; और

(घ) शेयरों की कीमतों में इस वृद्धि में विदेशी पूंजी-निवेश कम्पनियों की क्या भूमिका है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० अबरार अहमद): (क) और (ख) शेयरों के मूल्यों में जनवरी, 1994 के दौरान काफी वृद्धि हुई थी। इक्विटी मूल्यों (1978-79=100) का बंबई स्टाक एक्सचेंज सेन्सिटिव इन्डेक्स (सैन्सेक्स) 3-1-1994 को 3466 के स्तर से बढ़कर 31-1-1994 को 3995 पर पहुंच गया। शेयर मूल्यों में वृद्धि अनेक कारकों का परिणाम होती है जो अलग-अलग समय पर भिन्न तीव्रता से कार्य करते हैं। शेयरों के मूल्यों में वृद्धि के लिए जिन कारकों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है वे है, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफ०आई०आई०) द्वारा शेयरों की काफी खरीद, म्यूचुअल फण्डों द्वारा स्टाक बाजार में निवेश, समूचे आर्थिक माहौल में सुधारों से जुड़ी निवेशकों की प्रत्याशाएं और कार्पोरेट क्षेत्र के कार्य-निष्पादन में सामान्य सुधार जैसा कि लेखापरीक्षित न हुए आधे वर्ष के वित्तीय परिणामों से जाहिर होता है।

(ग) यह संकेत करने का कोई प्रमाण नहीं है कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों की निधियों का उपयोग शेयरों की बिक्री और खरीद के लिए अनियमित अथवा गैर-कानूनी रूप में किया जा रहा है।

(घ) विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफ०आई०आई०) द्वारा शेयरों की काफी खरीद ने भी शेयरों के मूल्यों की वृद्धि में योगदान दिया है।

स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर के अधिकारियों के दौरे

71. **श्री राम नरेश यादव:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर थित प्रधान कार्यालय के अधिकारियों द्वारा इन्दौर और दिल्ली के बीच कितने दौरे किए गए और इन अधिकारियों के नाम क्या-क्या हैं तथा दौरों का माह-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रत्येक दौरे पर उक्त बैंक का कितना धन खर्च हुआ और इन दौरों का प्रयोजन क्या था;

(ग) क्या यह सच है कि उक्त बैंक के अधिकारियों ने खर्चों में कटौती करने संबंधी अनुदेशों का पालन नहीं किया;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार आदेशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० अबरार अहमद): (क) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और यथा उपलब्ध सूचना सभा पटल पर रख दी जाएगी।